खबर संक्षेप

ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र में मनाया गया महाशिवरात्रि

धनपुरी। धनपुरी-बुढ़ार स्थित दिव्य प्रकाश भवन, कॉलेज कॉलोनी में 90 वें त्रिमूर्ति महाशिवरात्रि महोत्सव को अत्यंत हर्षोल्लास और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। प्रातः ब्रह्ममुहूर्त से ही संस्थान से जुड़े भाई-बहन भगवान शिव की ध्यान-आराधना हेतु सेवा केंद्र पर एकत्रित हुए और पूरे परिसर में भक्ति तथा आध्यात्मिकता का वातावरण छा गया। स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी बीके रीता दीदी ने शिव भोलेनाथ को भोग अर्पित किया, इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित शिव भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि परमात्मा के दिव्य अवतरण का महान स्मृति-पर्व है। उन्होंने कहा कि यह पर्व अनेक आध्यात्मिक रहस्यों को समेटे हुए है और सभी पर्वों में श्रेष्ठ माना जाता है, क्योंकि यह परमात्मा शिव के अवतरण की याद दिलाता है। परमात्मा शिव ज्योति-बिंदु स्वरूप हैं और समस्त मनुष्य आत्माओं के परमपिता हैं, जो ब्रह्मा, विष्णु और महेश(शंकर) के भी रचयिता त्रिमूर्ति हैं। उन्होंने संदेश दिया कि सच्ची शिवरात्रि तभी मनाई जाती है जब हम जीवन की बुराइयों को शिव को अर्पित करें। शिव पर आक-धतूरा चढ़ाने के स्थान पर अपनी कमजोरियों, नकारात्मक संस्कारों और समस्याओं को परमात्मा को समर्पित करना ही वास्तविक आध्यात्मिक साधना है। कार्यक्रम के दौरान बीके प्रवीण भाई ने शिव ध्वजा के नीचे उपस्थित सभी भाई-बहनों से श्रेष्ठ संकल्प और प्रतिज्ञाएं करवाईं तथा ओम ध्वनि के माध्यम से सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों को ब्रह्मा भोगवितरित किया गया।

शहडोल मेडिकल कॉलेज के भावी डॉक्टरों की गुंडागर्दी

शहडोल। शिक्षा के मंदिर से निकलकर भगवान के मंदिर में तांडव करने वाले कुछ सफेदपोश गुंडों ने शहडोल की कानून व्यवस्था को चुनौती दे डाली है। मामला शहडोल मेडिकल कॉलेज से जुड़े उन छात्रों का है, जिन्होंने शराब के नशे में धुत होकर न केवल मंदिर की पवित्रता भंग की, बल्कि एक निहत्थे सेवादार पर जानलेवा हमला भी किया। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी दोषियों पर कार्रवाई न होना प्रशासन की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

सुंदरकांड के बीच शराबियों का शोर और अश्लीलता- शिकायतकर्ता अमर मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे पत्र में रोंगटे खड़े कर देने वाली दास्तां सुनाई है। घटना 10 फरवरी 2026 की रात लगभग 11:30 बजे की है, जब अमर मिश्रा बड़ी भीठ स्थित श्री राम दरबार मंदिर में सुंदरकांड का पाठ कर रहे थे। तभी बाहर शराब के नशे में धुत 5 लड़के और 2 लड़कियों ने अश्लील गालियां देते हुए हंगामा शुरू कर दिया। जब सेवादार ने उन्हें शालीनता से समझाने की कोशिश की, तो मेडिकल कॉलेज के इन छात्रों ने उनका कॉलर पकड़कर मारपीट शुरू कर दी।

जूते पहनकर मंदिर में घुसे- हद तो तब हो गई जब पहली झड़प के बाद मामला शांत होने के बजाय और भड़क गया। पीड़ित के अनुसार, करीब 50 से 60 लड़के (संभवतः मेडिकल कॉलेज के छात्र) मंदिर परिसर में जबरन घुस आए। इन नशेड़ियों ने जूते पहनकर मंदिर की मर्यादा को पैरों तले रौंदा, वहां रखी सामग्री को फेंक दिया और तोड़फोड़ मचाई। बीच-बचाव करने आए साथी सतीश के साथ भी बेरहमी से मारपीट की गई।

पुलिस पर भी अभद्रता - हैरत की बात यह है कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ भी इन छात्रों ने अभद्रता करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। स्थिति बेकाबू होते देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, तब जाकर यह उन्मादी भीड़ वहां से तीतर-बीतर हुई। उसी रात कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई और रात 02 बजे पीड़ित की एमएलसी भी हुई, लेकिन इसके बाद न्याय की रफ्तार कछुआ चाल से भी धीमी हो गई।

एफआईआर की कॉपी तक के लिए तरस रहा पीड़ित- पीड़ित अमर मिश्रा ने आरोप लगाया है कि मेडिकल कॉलेज के दो डॉक्टर (जिसमें एक खुद को सीएमओ बता रहा था) इस संगीन प्रकरण को दबाने में लगे हुए हैं। विडंबना देखिए, पीड़ित को अब तक न तो एफआईआर की कॉपी दी गई है और न ही दोषियों के खिलाफ कोई ठोस जांच शुरू हुई है। उलटा, अज्ञात लोग पीड़ित को धमका रहे हैं कि रिपोर्ट वापस ले लो, वरना अंजाम बुरा होगा।

शासन को मजबूत बनाने ट्रायबल विभाग में होंगे सुधार कार्यशाला में दिए जांएगे टिप्स, उपायुक्त कर रहे पहल

शहडोल।

विभागीय कर्मचारियों की क्षमता, संवेदनशीलता व जिम्मेदारी बढ़ाने के लिए संभाग का ट्रायबल विभाग एक कार्यशाला का आयोजन करेगा। जिसमें संभाग के ट्रायबल कर्मचारियों को जरूरी टिप्स दी जाएगी। कार्यशाला का आयोजन उपायुक्त जेपी यादव के निर्देशानुसार किया जा रहा है। इसकी तिथि शीघ्र ही घोषित कर दी जाएगी।

विभाग का स्वरूप जानना जरूरी

कर्मचारियों को अक्सर अपने विभाग की कई योजनाओं की जानकारी नहीं होती है। कर्मचारी अपने विभाग के पूर्ण स्वरूप को और विभाग की दिशा को नही जान पाते हैं। लिहाजा कार्यशाला में योजनाओं की जानकारी का पहला विषय रखा जाएगा और योजनाओं की संपूर्ण जानकारी दी जाएगी।

आपसी समन्वय कायम हो

विभाग के त्वरित विकास के लिए जरूरी है आपस का समन्वय। लेकिन विभाग के कर्मचारी केवल अपनी कुर्सी और अपनी ड्यूटी तक सीमित रहते हैं। वे इससे अधिक और कुछ जानना भी नहीं चाहते हैं। इसलिए संभाग के पूरे ट्रायबल कार्यालयों में आपसी समन्वय कायम करने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए कार्यशाला में प्रशिक्षित किया जाएगा।

अनुशासन और उत्तरदायित्व का बोध

कार्यशाला में यह विषय भी होगा कि एक अनुशासित तथा उत्तरदायी कार्यशैली क्या है और उसे कैसे अपनाना चाहिए। उपायुक्त श्री यादव मानते हैं कि वास्तव में एक शासकीय कर्मचारी पूर्णरूपेण शासकीय कहलाने का हकदार भी तभी होता है जब वह अनुशासन और उत्तरदायित्व से अनुप्राणित हो। इनके अलावा समय प्रबंधन और तनाव प्रबंधन पर भी विस्तार से चर्चा होगी। प्रयास यह होगा कि कर्मचारियों को प्रशासन की संपूर्ण विधाओं से जोड़ा जाए।

इनका कहना है

शासन का सच्चा सहयोग करने के लिए रूढियों को समाप्त करना और रचनात्मक परिवर्तन करना अधिक लाभकारी प्रतीत होता है। कार्यशाला के बाद एक छोटा सा टेस्ट भी लिया जा सकता है ताकि पता चले कि कार्यशाला का कितना असर हुआ है। टॉपर्स को प्रोत्साहित किया जाएगा।

जेपी यादव उपायुक्त, ट्रायबल विभाग संभाग शहडोल

काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं, जनता को चाहिए शुद्ध पानी और सुविधाएं

सरफा डैम और बड़ी भीट पर बरसीं सीएमओ

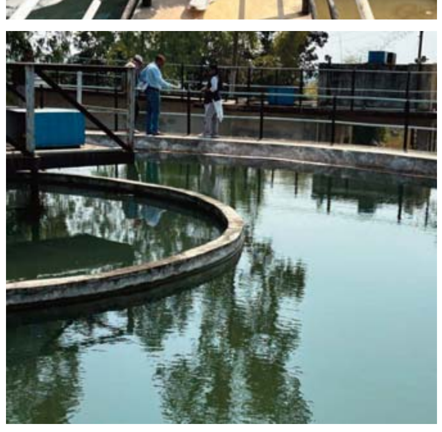

शहडोल।

नगर पालिका शहडोल की मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी इन दिनों एक्शन मोड में हैं। शहर की चरमराती जल व्यवस्था और अधूरे पड़े निर्माण कार्यों को लेकर उन्होंने सख्त तेवर अख्तियार कर लिए हैं। सरफा डैम से लेकर बड़ी भीट तालाब तक के औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुस्त पड़े तंत्र को जमकर फटकार लगाई और दो-टूक कह दिया कि फाइलों में नहीं, अब जमीन पर काम दिखना चाहिए।

खराब मोटरों और बंद लैब पर गिरी गाज

सरफा बांध स्थित नवीन जल शोधन संयंत्र के निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने पाया कि व्यवस्थाएं पटरी से उतरी हुई हैं। उन्होंने निर्माणाधीन छोटे पैदल पुल के काम में तेजी लाने के निर्देश देते हुए जल परीक्षण प्रयोगशाला को तत्काल प्रभाव से संचालित करने का अल्टीमेटम दिया है। पंप गृह में महीनों से धूल फांक रही खराब जल मोटरों को लेकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर की और तत्काल मरम्मत कराने को कहा, ताकि नगरवासियों को दूषित नहीं, बल्कि शुद्ध पेयजल मिल सके।

स्वच्छता पहली प्राथमिकता

बड़ी भीट तालाब के निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने मौके पर मौजूद उपयंत्री एस.एस. तोमर और जल विभाग के अमले को सख्त निर्देश दिए कि तालाब परिसर में सार्वजनिक शौचालय और विशेषकर महिलाओं के लिए पृथक स्नानागार का निर्माण युद्ध स्तर पर शुरू किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि तालाब के सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों में समय-सीमा का उल्लंघन होने पर संबंधितों पर गाज गिरना तय है।

बहानेबाजी छोड़ें, परिणाम दें

निरीक्षण के दौरान सीएमओ के आक्रामक तेवरों ने साफ कर दिया कि अब नगर पालिका प्रशासन चलता है वाली नीति पर काम नहीं करेगा। उन्होंने उपयंत्री और जल प्रदाय विभाग के अनिल मिश्रा को निर्देशित किया कि हर काम की मॉनिटरिंग रोजाना आधार पर की जाए। नगर पालिका का यह कड़ा रुख उन ठेकेदारों और कर्मचारियों के लिए बड़ी चेतावनी है जो विकास कार्यों की रफ्तार को कछुआ चाल से चला रहे थे।

हर-हर के उद्घोष से गुंजायमान हुआ नगर शहडोल की सड़कों पर उतरा देवलोक

घोड़ों-रथों के लवाजमे के साथ निकली महादेव की भव्य बारात

बरम बाबा मंदिर से गांधी चौक तक उमड़ा आस्था का सैलाब

शहडोल।

आस्था, उल्लास और शिव-शक्ति के मिलन का महापर्व महाशिवरात्रि शहडोल में ऐतिहासिक उल्लास के साथ मनाया गया। बरम बाबा घरवाला मोहल्ला स्थित प्राचीन शिव मंदिर से जब भगवान भोलेनाथ की शाही बारात निकली, तो ऐसा प्रतीत हुआ मानो साक्षात देवलोक धरती पर उतर आया हो। घोड़ों की टापों और सुसज्जित रथों की अगुवाई में निकली इस शिव बारात ने पूरे नगर को शिवमय कर दिया। शुभ रात्रि मोहल्ला से लेकर गांधी चौक तक का हर कोना 'हर-हर महादेव' और 'जय भोले' के जयकारों से गूंज उठा।

शाही ठाठ-बाट के साथ निकले दूल्हे सरकार

शोभायात्रा का आकर्षण भगवान शिव और माता पार्वती का सजीव स्वरूप रहा, जो एक भव्य और नक्काशीदार रथ पर विराजमान थे। बारात की शुरुआत शुभ रात्रि मोहल्ला से हुई, जहाँ से यह कारवां राम मंदिर और जैन मंदिर मार्ग होते हुए गांधी चौक पहुंचा। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने अपने घरों की छतों और दरवाजों से पुष्प वर्षा कर बारातियों का स्वागत किया। केसरिया ध्वजों और डमरूओं की गूंज ने वातावरण में अद्भुत ऊर्जा भर दी।

भूतों की टोली और नन्हे शिव-गणों का आकर्षण

महादेव की इस अनूठी बारात में शिव-गणों की उपस्थिति ने सभी का ध्यान खींचा। छोटे-छोटे बच्चों ने भूत-प्रेत और अघोरियों का रूप धारण कर ऐसा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। शिवजी की इस विचित्र सेना को देखने के लिए सडक़ों के दोनों ओर श्रद्धालुओं का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर थिरकते भक्तों ने इस आयोजन को एक उत्सव में बदल दिया।

पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी

इतनी विशाल भीड़ और भव्य आयोजन के बावजूद पुलिस प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था काबिले तारीफ रही। संवेदनशील मोड़ों और मुख्य चौराहों पर पुलिस बल की मौजूदगी से बारात शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से अपने गंतव्य तक पहुंची और पुनः शिव मंदिर में संपन्न हुई।

आज होगा महाप्रसाद का वितरण

शिव बारात के सफल आयोजन के बाद अब श्रद्धा की अगली कड़ी में विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 16 फरवरी 2026 को मंदिर प्रांगण में भव्य भंडारा आयोजित होगा। समिति ने समस्त नगरवासियों और धर्मप्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद और महाप्रसाद ग्रहण करें।

सावधान! गूगल पर डॉक्टर ढूंढना पड़ा भारी

बीमार बेटे के इलाज की पूंजी पर साइबर ठगों का डाका

शिक्षक की पत्नी से 1.59 लाख पार

ऐप डाउनलोड कराते ही तीन किस्तों में साफ कर दिया बैंक खाता

शहडोल।

सायबर ठगों की दरिंदगी अब इस हद तक बढ़ गई है कि वे बीमार बच्चों के इलाज के लिए रखी गई रकम पर भी हाथ साफ करने से नहीं चूक रहे। ताजा मामला ब्यौहारी का है, जहाँ एक शिक्षक परिवार अपने मासूम बेटे की जिंदगी बचाने के लिए संघर्ष कर रहा था, लेकिन गूगल के एक फेक नंबर ने उनकी मेहनत की कमाई और उम्मीदों दोनों को लूट लिया।

ममता की बेबसी का फायदा

शिक्षक शिवेश कुमार सिंह के छोटे बेटे का इलाज नागपुर में चल रहा है। तबीयत बिगडऩे पर मां आरती सिंह ने घबराहट में गूगल पर डॉक्टर का नंबर तलाशा। उन्हें क्या पता था कि इंटरनेट पर बैठा डिजिटल जल्लाद उनकी कॉल का इंतज़ार कर रहा था। खुद को डॉक्टर का स्टाफ बताकर ठगों ने आरती सिंह को झांसे में लिया और इलाज की प्रक्रिया के नाम पर एक मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड करवा दी।

एक ऐप और तीन झटके

जैसे ही महिला ने मोबाइल में वह खतरनाक ऐप इंस्टॉल किया, ठगों ने उनके फोन का रिमोट एक्सेस ले लिया। फिर शुरू हुआ लूट का तांडव पहले दो बार में 50-50 हजार और तीसरी बार में 59 हजार रुपये खाते से उड़ा लिए गए। कुल 1 लाख 59 हजार रुपये की चपत लगाकर ठगों ने कॉल काट दिया। न डॉक्टर का अपॉइंटमेंट मिला और न ही बैंक में पैसे बचे।

न्याय के लिए भटकता पिता

बेटे की बीमारी से टूटा पिता अब ठगी की रिपोर्ट लेकर 100 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय के चक्कर काट रहा है। पुलिस अधिकारियों की चौखट पर गुहार लगाई जा रही है कि कम से कम वह पैसा वापस मिल जाए जिससे बेटे की जान बचनी है। गूगल पर मौजूद हर नंबर सही नहीं होता। किसी भी अंजान व्यक्ति के कहने पर एनीडेस्क, टीम व्यूवर या कोई अन्य संदिग्ध ऐप कभी डाउनलोड न करें। आपकी एक छोटी सी लापरवाही सायबर ठगों के लिए आपके बैंक खाते की चाबी बन सकती है।

इनका कहना है...

महिला द्वारा डॉक्टर का नंबर गूगल पर सर्च किया गया था, जो ठगों के पास कनेक्ट हो गया। फिलहाल मामले की साइबर सेल के माध्यम से जांच कर उचित कार्रवाई की जा रही है।

अभिषेक दीवान
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहडोल

नाले में बोरे के भीतर मिली युवती की लाश

हत्या के बाद पत्थरों से दबाकर ठिकाने लगाने की साजिश

शहडोल।

जिले के सिंहपुर थाना अंतर्गत दूधी गांव में उस वक्त हडक़ंप मच गया, जब मुडऩा नाला में एक अज्ञात युवती की बोरे में बंधी लाश मिलने की खबर आग की तरह फैल गई। हत्यारों ने वारदात को अंजाम देने के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए जो तरीका अपनाया, उसने इलाके में दहशत फैला दी है। शव को न केवल बोरे में ठूंसकर मजबूती से बांधा गया था, बल्कि उसे पानी में डुबाने के लिए पत्थरों का सहारा भी लिया गया था।

बदबू ने खोला मौत का राज

रविवार दोपहर एक किसान जब खेत की सिंचाई के लिए पंप लगाने नाले की ओर गया, तो उसे वहां पड़े एक संदिग्ध बोरे से असहनीय दुर्गंध आई। किसान की सूचना पर पहुंची सिंहपुर पुलिस ने जब बोरा खुलवाया, तो भीतर का नजारा देख ग्रामीणों के होश उड़ गए। बोरे के अंदर करीब 30 वर्षीय युवती का सड़ा-गला शव बरामद हुआ। पुलिस का अनुमान है कि हत्या करीब 3-4 दिन पहले की गई है।

शरीर पर मिले खास निशान

सिंहपुर थाना प्रभारी एम.एल. रहगडाले के अनुसार, युवती की शिनाख्त के लिए शरीर पर मौजूद निशानों को आधार बनाया जा रहा है। मृतका के दाहिने हाथ पर डीआर नाम गुदा हुआ है और हथेली के पास ओम का निशान बना है। हालांकि सिंहपुर थाने में कोई गुमशुदगी दर्ज नहीं है, लेकिन शहडोल कोतवाली में दर्ज एक लापता युवती का हुलिया इससे मिलता-जुलता बताया जा रहा है। पुलिस ने संबंधित थाने को अलर्ट कर दिया है।

सुनियोजित हत्या की ओर इशारा

मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम और पुलिस को प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट रूप से मर्डर का मामला लग रहा है। बोरे में पत्थर भरकर नाले में फेंकना यह दर्शाता है कि हत्यारों ने साक्ष्य मिटाने और शव को कभी न मिलने देने की पूरी प्लानिंग की थी। फिलहाल शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। सिंहपुर पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है, लेकिन इस घटना ने जिले की कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा पर फिर से सवालिया निशान लगा दिए हैं।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आज

उमरिया। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की रोकथाम, नियंत्रण हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है । जिले में खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के रोकथाम , नियंत्रण हेतु 16 फरवरी को समय सीमा की बैठक दोपहर 12 बजे से कलेक्टर सभागार में समय सीमा की बैठक पश्चात आहूत की गई है ।

14 मार्च को नेशनल लोक अदालत

उमरिया। न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 14 मार्च 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल,श्रम,मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय के लंबित , प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण, नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण भी किया जावेगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओं एवं जनमानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा आपसी सुलह समझौता के माध्यम से 14 मार्च 2026 को निपटारा कराएं एवं नेशनल लोक अदालत का फायदा उठाएं।

महाशिवरात्रि पर मेले का आयोजन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। महाशिवरात्रि के अवसर पर केवई नदी के तट पर स्थित शिव मंदिर के किनारे तीन दिवसीय मेला का आयोजन किया गया। मेला के अवसर पर हजारों की संख्या में भक्तो ने नदी में स्नान कर भगवान शिव की पूजा अर्चना कर मेला का आनंद उठाया। इस अवसर पर आयोजक समिति द्वारा भंडारा का आयोजन किया। भंडारा में शाम तक प्रसाद लेने लोगों की भीड़ लगी रही। ग्रामीण क्षेत्रो मे कई स्थानों में मेला मंडई का आयोजन हुआ। इसमें अंचल और आसपास के सभी गांवों के शिवालयों में ग्रामीणों ने भगवान शिव की पूजा अर्चना की। उनका अभिषेक किया गया। कई गांवों में शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान कई भक्त झूमते और नाचते नजर आए। कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने मिला। महाशिवरात्रि पर कोतमा थाना अंतर्गत सीतामढ़ी एवं केवई बैरियल में तथा कोयलांचल क्षेत्र के भालूमाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत दारसागर के समीप केवई नदी के किनारे शिव लहरा धाम में भी तीन दिवसीय मेला का आयोजन किया गया। केवई नदी किनारे शिव लहरा धाम में स्थित भगवान भोलेनाथ के मंदिर में लोगों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की उसके पश्चात मेले का आनंद लिया। मेले में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने पहुंचकर जमकर मेले का लुफ्त उठाया। मेले में हवाई झूला ग्रामीण रहट झूला आकर्षण का केंद्र रहे। मेले में खिलौने गन्ना सहित अन्य सामानों की दुकानें सजाई गई थी जिसमें पहुंचकर लोगों ने जमकर खरीदारी की। शिव लहरा धाम परिसर में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया था। जिसमें भारी संख्या में लोगों ने पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। बच्चे महिलाएं झूले में झूल कर जमकर झूले का लुफ्त उठाया। मेले में किसी प्रकार की घटना घटित ना हो इसके लिए भालूमाड़ा थाना प्रभारी विपुल शुक्ला के द्वारा पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई थी। नदी के किनारे भी गोताखोरों की ड्यूटी लगाई गई थी।

कोर एवं बफर जोन में बिना मुंडेर वाले कुंओं पर बनाए जा रहे मुंडेर

उमरिया। वन एवं राजस्व सीमांतर्गत कोर एवं बफर क्षेत्र में बिना मुंडेर वाले कुओं पर मुंडेर बनाने का निर्माण किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम रायपुर में बिना मुंडेर वाले कुओं मे बन रहे मुंडेर का औचक निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए । सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि कोर और बफर क्षेत्र में ऐसे चार हजार कुएं है, जो बिना मुंडेर के है। सभी कुओं को चिन्हित कर सभी पर मुंडेर का निर्माण कार्य किया जा रहा है , ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जन हानि, पशु हानि नही हो सके।

वन विभाग की नाक के नीचे मुरूम माफिया की लूट

मुनारे के पास जेसीबी ने खोदा जंगल का सीना

उमरिया।

जिले के सामान्य वन मंडल अंतर्गत चंदिया परिक्षेत्र का नरवार क्षेत्र इन दिनों खनन माफियाओं की ऐशगाह बन गया है। नरवार 25 जंगल से सटे बेशकीमती इलाके में मुरूम का जो अवैध खेल चल रहा है, उसने वन विभाग की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि जहाँ विभाग की सीमा दर्शाने वाले मुनारे गड़े हैं, ठीक वहीं माफिया की जेसीबी दहाड़ रही है, लेकिन साहबों को सीमा का विवाद सुलझाने से फुर्सत नहीं है।

दबिश की खबर मिलते ही उड़े माफिया के परिंदे

सूत्रों के मुताबिक, नरवार के जंगलों में दिन-दहाड़े जेसीबी और ट्रैक्टरों की फौज उतारकर सैकड़ों ट्रॉली मुरूम पार कर दी गई। जैसे ही वन विभाग को भनक लगी (या यूं कहें कि सूचना देने का शिष्टाचार निभाया गया), माफिया अपनी मशीनें लेकर रफूचक्कर हो गए। सवाल यह उठता है कि क्या माफिया को पहले ही टिप दे दी गई थी? आखिर कैसे भारी-भरकम जेसीबी पलक झपकते ही गायब हो गई?

राजस्व का बहाना, माफिया को फायदा!

अवैध उत्खनन के इस खेल में सबसे पुराना और घिसा-पिटा पैंतरा फिर सामने आया है, परिक्षेत्र अधिकारी नीलेश द्विवेदी का कहना है कि निगरानी के बाद कार्रवाई होगी और स्टाफ का दावा है कि जमीन राजस्व की है। वहीं वन रक्षक सत्येन्द्र का बयान तो और भी हास्यास्पद है, बिना मौके पर जाए ही उन्होंने संभावना जता दी कि उत्खनन वन क्षेत्र के बाहर है। जबकि मौके की तस्वीरें चीख-चीखकर गवाही दे रही हैं कि खुदाई वन विभाग के मुनारे के ठीक बगल से हुई है। यह टालमटोल की नीति केवल माफिया को सुरक्षित रास्ता देने की साजिश लगती है।

कलेक्टर के आदेश को रद्दी समझ बैठा महकमा

जिला कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने साफ निर्देश दिए थे कि वन, राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त टीम बनाकर माफियाओं की कमर तोड़ी जाए, लेकिन चंदिया परिक्षेत्र में कलेक्टर के आदेश महज कागजी टुकड़ा बनकर रह गए हैं। न वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई की और न ही अन्य विभागों को समय पर अलर्ट किया। इसी सुस्ती का फायदा उठाकर खनन माफिया जंगल को खोखला कर भाग निकले। अगर समय रहते इन आस्तीन के सांपों और खनन माफियाओं पर लगाम नहीं कसी गई, तो नरवार के जंगल केवल नक्शों तक सीमित रह जाएंगे। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस मौन सांठ-गांठ पर क्या एक्शन लेता है।

घर में बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

बकेली का दरिंदा गिरफ्तार

पुलिस की सख्त कार्रवाई से इलाके में हड़कंप

उमरिया।

मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात ने पाली थाना क्षेत्र को दहला कर रख दिया है। ग्राम बकेली में एक नरपिशाच ने न केवल मर्यादाओं की सीमा लांघी, बल्कि एक बेबस महिला को अपनी हवस का शिकार बनाकर कानून को खुली चुनौती दे डाली। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी अमृत सिंह को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है, लेकिन इस घटना ने स्थानीय लोगों के आक्रोश को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

हवस की हदें पार, फिर दी मौत की धमकी

पुलिस ने मामला दर्ज किया गया था, जिसकी इबारत किसी के भी रोंगटे खड़े कर सकती है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी अमृत सिंह ने दरिंदगी की सारी हदें पार करते हुए पीड़िता को अपने घर में बंधक बना लिया। बंद दरवाजे के पीछे आरोपी ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देकर चुप रहने का दबाव बनाया। किसी तरह चंगुल से छूटकर बदहवास हालत में अपनों के पास पहुंची पीड़िता ने जब अपनी आपबीती सुनाई, तो परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई।

दबोचा गया आरोपी

मामले की गंभीरता को देखते हुए पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने तत्काल मोर्चा संभाला। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी अमृत सिंह को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1),127(3), 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया गया।

बख्शा नहीं जाएगा अपराधी

थाना प्रभारी श्री मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि महिला सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के लिए समाज में कोई जगह नहीं है। उन्होंने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण करा लिया गया है और साक्ष्य इतने पुख्ता हैं कि आरोपी का बचना नामुमकिन है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटा रही है और आसपास के गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

फांसी से कम कुछ नहीं

बकेली और आस-पास के क्षेत्रों में इस घटना को लेकर भारी गुस्सा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ऐसे दरिंदों को बीच चौराहे पर सजा मिलनी चाहिए ताकि दोबारा कोई ऐसी हिमाकत न कर सके। ग्रामीण अब आरोपी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

उमरिया में गूंजा विदर्भ का डंका, पैराडाइज गोल्ड कप पर महाराष्ट्र का कब्जा

93 रनों की करारी शिकस्त के साथ शहडोल का विजय रथ थमा

उमरिया। स्थानीय अमर शहीद स्टेडियम में क्रिकेट के महाकुंभ यानी अखिल भारतीय पैराडाइज गोल्ड कप के 27वें सोपान का समापन किसी रोमांचक थ्रिलर फिल्म के क्लाइमेक्स जैसा रहा। खिताबी भिड़ंत में रणजी खिलाड़ियों से लैस नागपुर (महाराष्ट्र) ने गत विजेता शहडोल (मध्य प्रदेश) की बादशाहत को मिट्टी में मिलाते हुए एकतरफा अंदाज में गोल्ड कप पर कब्जा जमा लिया। नागपुर के आक्रामक खेल के सामने शहडोल की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई और 93 रनों की शर्मनाक हार के साथ रनर-अप की ट्रॉफी तक सिमट कर रह गई।

पुलवामा के शहीदों को नमन- मैच शुरू होने से पहले स्टेडियम का माहौल भावुक रहा। पुलवामा हमले की बरसी पर खिलाड़ियों और हजारों दर्शकों ने 2 मिनट का मौन रखकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रगान की गूंज के साथ जब मुकाबला शुरू हुआ, तो शहडोल के कप्तान यतींद्र मोहन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन उनका यह फैसला अंततः उनके लिए आत्मघाती साबित हुआ।

25 ओवर में खड़ा किया रनों का पहाड़- बल्लेबाजी के लिए मुफीद टर्फ विकेट पर नागपुर के ओपनर्स ने शहडोल के गेंदबाजों की धुनाई शुरू की। रणजी स्टार शिवम देशमुख ने मैदान के चारों ओर चौके-छक्कों की बारिश करते हुए महज 43 गेंदों में 70 रनों की विध्वंसक पारी खेली। सत्यम भोयार (36 रन) और हेमंत राठौड़ (नाबाद 30 रन) के कैमियो ने आग में घी का काम किया। निर्धारित 25 ओवरों में नागपुर ने 7 विकेट खोकर 243 रनों का ऐसा विशाल स्कोर खड़ा कर दिया, जिसने शहडोल के खिलाड़ियों के चेहरे पर मैच शुरू होने से पहले ही शिकस्त की लकीरें खींच दीं।

नागपुर की धारदार गेंदबाजी के आगे पस्त- 244 रनों के हिमालयी लक्ष्य का पीछा करने उतरी शहडोल की टीम शुरू से ही दबाव में दिखी। नागपुर के गेंदबाजों ने सटीक और धारदार स्पैल डालकर शहडोल के टॉप ऑर्डर को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। शहडोल की ओर से केवल सचिन विश्वकर्मा (42 रन) ने कुछ प्रतिरोध दिखाया, लेकिन दूसरे छोर से किसी का साथ नहीं मिला। पूरी टीम महज 21.4 ओवरों में 150 रन पर सिमट गई। नागपुर के दीपेश और सत्यम ने 3-3 विकेट चटकाकर शहडोल की कमर तोड़ दी।

दिग्गजों ने की पैराडाइज क्लब की भूरि-भूरि प्रशंसा- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जयसिंह मरावी, श्रीमती मनीषा सिंह, शिवनारायण सिंह और भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। अतिथियों ने एक सुर में कहा कि राकेश शर्मा (अध्यक्ष, पैराडाइज क्लब) और उनकी टीम ने पिछले 27 वर्षों से इस आयोजन को जो भव्यता दी है, उसने उमरिया का नाम पूरे भारत के खेल मानचित्र पर चमका दिया है। समारोह के अंत में सैम मोबाइल द्वारा लकी ड्रॉ ने दर्शकों का उत्साह दोगुना कर दिया। अंततः पैराडाइज क्लब के ध्वज को ससम्मान उतारकर अगले वर्ष फिर मिलने के वादे के साथ अध्यक्ष राकेश शर्मा को सौंपा गया। समापन के दौरान स्टेडियम में मौजूद हजारों खेल प्रेमियों की तालियों और ढोल-नगाड़ों की थाप ने यह साबित कर दिया कि पैराडाइज गोल्ड कप केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि उमरिया की धड़कन है।

ग्राम छोहरी में 55 एकड़ शासकीय भूमि पर कब्जे का आरोप ग्रामीणों ने कलेक्टर से की कब्जा मुक्त कराने की मांग

चारागाह भूमि पर भी अतिक्रमण, मवेशियों के लिए चारा संकट, सीमांकन कर कार्रवाई की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

अनूपपुर जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत छोहरी में लगभग 55 एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का गंभीर मामला सामने आया है इस संबंध में ग्रामवासियों ने नायब तहसीलदार अनूपपुर एवं कलेक्टर हर्षल पंचोली को लिखित शिकायत सौंपकर शासकीय भूमि को कब्जामुक्त कराने, सीमांकन कराने एवं दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है जनसुनवाई में दिए गए आवेदन के बाद प्रशासनिक हलकों में भी इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। ग्रामीणों ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि ग्राम पंचायत छोहरी में खसरा नंबर 604, 184, 177/1, 228/1, 13, 14, 148, 158, 159 एवं 161 सहित कुल लगभग 55 एकड़ भूमि राजस्व रिकॉर्ड में शासकीय दर्ज है आरोप है कि इस शासकीय भूमि पर प्रभावशाली लोगों द्वारा लगातार अवैध कब्जा कर निजी उपयोग में लिया जा रहा है ग्रामीणों का कहना है कि उक्त भूमि पर कब्जे के कारण गांव में शासकीय कार्यों एवं जनहित से जुड़े निर्माण कार्यों के लिए भूमि उपलब्ध नहीं हो पा रही है। शिकायतकर्ताओं में ज्ञान सिंह, प्रीतम दास, लल्लू सिंह (पंच), भारत लाल, जीवन दास (पंच), राम सिंह (पूर्व पंच), पूजा चौधरी (पंच), सुग्रीव कुमार, सुमेर, विजय कुमार, हंसलाल, कमलेश्वर, महेश, सूर्य, गुमान, राम शंकर दास, लालू दास, महेश कुमार, गया प्रसाद अहिरवार एवं ओमप्रकाश रजक सहित अनेक ग्रामवासी शामिल हैं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से कलेक्टर को आवेदन देकर इस गंभीर मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। आवेदन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले ओमप्रकाश रजक ने बताया कि उक्त 55 एकड़ शासकीय भूमि पर ग्राम के वर्तमान सरपंच केदार सिंह, पूर्व सरपंच रामा सिंह एवं उनके परिवार के लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है उन्होंने आरोप लगाया कि यह भूमि शासन की होने के बावजूद निजी उपयोग में ली जा रही है, जिससे ग्रामवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कब्जे में ली गई भूमि का एक हिस्सा चारागाह (चरनोई) के लिए आरक्षित था, जहां गांव के मवेशी चरते थे लेकिन चारागाह भूमि पर भी अतिक्रमण हो जाने से पशुपालकों को मवेशियों के लिए चारा उपलब्ध कराने में भारी कठिनाई हो रही है इससे गांव में पशुपालन प्रभावित हो रहा है और ग्रामीणों की आजीविका पर भी असर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में शासकीय भूमि उपलब्ध होने के बावजूद अतिक्रमण के कारण किसी भी नए शासकीय निर्माण कार्य, जैसे भवन, आंगनवाड़ी, सामुदायिक भवन या अन्य जनहित कार्यों के लिए भूमि उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे गांव के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित भूमि का तत्काल सीमांकन कर अवैध कब्जा हटाया जाए, चारागाह भूमि को मुक्त कराया जाए और शासकीय भूमि को पुनः शासन के कब्जे में लिया जाए साथ ही इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे फिलहाल कलेक्टर कार्यालय द्वारा आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

जमुना कॉलरी पोस्ट ऑफिस में दस्तावेज जलाने का आरोप, दलाली से वसूली के भी गंभीर आरोप

युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमूना।

जमुना कॉलरी स्थित भारतीय डाक विभाग के पोस्ट ऑफिस में नागरिकों के महत्वपूर्ण दस्तावेज, जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य डाक सामग्री जलाए जाने के गंभीर आरोपों को लेकर जिला युवा कांग्रेस अनूपपुर के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने थाना प्रभारी भालूमाड़ा विपुल शुक्ला को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल व्याप्त है और नागरिकों में डाक विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने अपने ज्ञापन में बताया कि हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें जमुना कॉलरी स्थित पोस्ट ऑफिस परिसर में आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज जलते हुए दिखाई दे रहे हैं उन्होंने कहा कि यदि यह वीडियो सत्य है, तो यह केवल विभागीय लापरवाही नहीं बल्कि आम नागरिकों के अधिकारों, भविष्य और सरकारी व्यवस्था पर उनके विश्वास के साथ गंभीर विश्वासघात है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपनी पहचान, रोजगार, बैंकिंग, पेंशन, बीमा, सरकारी योजनाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्यों से जुड़े दस्तावेजों के सुरक्षित वितरण के लिए भारतीय डाक विभाग पर भरोसा करता है किसी युवक का जॉइनिंग लेटर, किसी गरीब का आधार कार्ड, किसी बुजुर्ग की पेंशन से संबंधित दस्तावेज अथवा अन्य आवश्यक पत्र यदि जानबूझकर नष्ट किए गए हैं, तो यह सीधे तौर पर नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का हनन है और इससे संबंधित व्यक्तियों को गंभीर नुकसान उठाना पड़ सकता है। मानवेंद्र मिश्रा ने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि जमुना कॉलोनी पोस्ट ऑफिस में बिना दलाली के कोई कार्य नहीं होता है। उन्होंने कहा कि वहां मंडल नाम का एक कथित दलाल पूरे दिन पोस्ट ऑफिस परिसर में सक्रिय रहता है और लोगों से पैसे लेकर पोस्ट मास्टर के माध्यम से कार्य करवाता है मिश्रा के अनुसार, विशेष रूप से मृतक आश्रितों के डेथ क्लेम जैसे संवेदनशील मामलों में भी पीड़ित परिवारों से 10,000 तक की राशि वसूले जाने की शिकायतें सामने आई हैं उन्होंने इस पूरे मामले में मंडल तथा संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने थाना प्रभारी विपुल शुक्ला से मांग की है कि वायरल वीडियो की तत्काल फॉरेंसिक जांच कर उसकी सत्यता प्रमाणित की जाए तथा प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने वाले पोस्ट मास्टर एवं संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल एफआरआई दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए साथ ही निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए संबंधित कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की कार्रवाई भी की जाए। उन्होंने अपने ज्ञापन में चेतावनी दी है कि यदि इस गंभीर मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो जिला युवा कांग्रेस जनहित में आंदोलन, धरना-प्रदर्शन एवं उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के लिए बाध्य होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। युवा कांग्रेस द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है और क्षेत्रीय नागरिकों की नजर अब पुलिस व प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है वहीं थाना प्रभारी द्वारा मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

सीईओ ने एक बगिया मां के नाम के तहत विकसित की जा रही बगिया का किया निरीक्षण

उमरिया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम कछौहा में एक बगिया मां के नाम की हितग्राही संगीता के यहां विकसित की जा रही बगिया का अवलोकन किया। हितग्राही व्दारा पौधारोपण के लिए किए जा रहे गड्ढे एवं पौधों को बचाने के लिए की जा रही फेसिंग का अवलोकन किया । निरीक्षण के दौरान उन्होने पौधारोपण के लिए पानी की व्यवस्था के लिए जल कुंड बनाने कि बात कही।

उन्होने कहा कि स्व सहायता समूह की महिलाओं को समृद्ध बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नवाचारों के माध्यम से महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही है। एक बगिया मां के नाम परियोजना अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया लगाने का कार्य किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत सरकार हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान कर रही है।

खबर संक्षेप

नकदी सहित जेवरात लेकर चंपत हुए चोर

कटनी। बरही थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खन्ना छैघरा में बीती रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया है। चोरों ने घर से सोने-चांदी के जेवरात और नकदी सहित कुल 80 हजार रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया है। जानकारी के अनुसार 13 फरवरी की दरम्यानी रात करीब 1 से 3 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने घटना को अंजाम दिया। बलरामदास पटेल 56 वर्ष निवासी ग्राम खन्ना बंजारी ने शिकायत दर्ज कराई है कि अज्ञात व्यक्तियों ने उनके घर में प्रवेश कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने घर के अंदर रखे सोने एवं चांदी के कीमती जेवरात, 10 हजार रुपये नकद सहित लगभग 80 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया। बरही पुलिस ने मामला पंजीबद्ध करते हुए अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और क्षेत्र में संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

नेशनल लोक अदालत को लेकर आयोजित हुई बैठक

कटनी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं जितेन्द्र कुमार शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कटनी के मार्गदर्शन 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु आज 12 को जिला न्यायालय कटनी के कॉफेंस हॉल में समय दोपहर 2 बजे से अनुज कुमार मित्तल विशेष न्यायाधीश एवं एस0पी0एस0 बुंदेला जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में नेशनल इंश्योरेंस कंपनी से मनीष गौतम, यूनाइटेड इंश्सोरेंस कंपनी से इच्छा दीक्षित, मैग्मा इंश्सोरेंस कंपनी से सुमित अग्रवाल, इफ्फाको टोकियो इंश्सोरेंस कंपनी से अमित दुबे एवं आई0सी0आई0सी0आई0 इंश्सोरेंस कंपनी से मयूर सोनी बीमा कंपनी के अधिकारीगण व्ही0सी0 के माध्यम से उपस्थित रहें एवं बीमा कंपनी के अधिवक्तागण एवं क्लेमेंट अधिवक्तागण उपस्थित रहे। अनुज कुमार मित्तल विशेष न्यायाधीश एवं एस0पी0एस0 बुंदेला जिला न्यायाधीश के द्वारा बीमा कंपनी के अधिकारियों से वन टू वन चर्चा की गयी एवं न्यायालय में लंबित मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणो के अधिक से अधिक निराकरण कराये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये, एवं बीमा कंपनी के अधिकारीगण द्वारा अधिक से अधिक संख्या में क्लेम प्रकरणों के निराकरण कराये जाने का अश्वासन दिया।

गोपालपुर में श्रीमद भागवत कथा आज से

सिलौंडी। गोपालपुर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रीमद भागवत कथा का आयोजन 15 फरवरी से विशाल शोभायात्रा के साथ शुरू होगा । आयोजन समिति के मोहन बागरी, प्रवीण तिवारी ने बताया पिछले 29 सालों से लगातार गोपालपुर में श्री मद भागवत कथा का आयोजन होता है जिसमें पूरा क्षेत्र बड़ी संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ लेता है कथा का वाचन ब्रजकृष्ण शास्त्री वृंदावन वाले महाराज से मुखरविन्द से होगा ।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए चला फॉगिंग अभियान

कटनी। मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा सुचारू सफाई व्यवस्था के साथ ही लगातार फागिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस हेतु प्रत्येक जोन के अलग-अलग वार्डो के मुख्य एवं अन्य मार्गों में ई रिक्शा के माध्यम से फागिंग मशीन से रासायनिक धुएं का छिड़काव कार्य अनवरत जारी है। स्वास्थ्य विभाग का विशेष दस्ता निर्धारित कैलेंडर अनुसार शुक्रवार शाम चार वार्डों मदन मोहन चौबे वार्ड, वंशस्वरूप वार्ड, सीएलपी वार्ड एवं राम निवास सिंह वार्ड के विभिन्न मार्गों, गलियों एवं बस्तियों में पहुंचकर फागिंग कराई गई।

आस्था और उल्लास के संग मना महाशिवरात्रि

भोलेनाथ की बारात में उमड़ा जनसैलाब

धनपुरी

कोयलांचल के मंदिरों में तड़के 4:30 बजे से लगी श्रद्धालुओं की कतारें, बैंड-बाजे के साथ निकली भव्य बारातफोटो धनपुरी। कोयलांचल के मंदिरों में तड़के 4:30 बजे से लगी श्रद्धालुओं की कतारें, बैंड-बाजे के साथ निकली भव्य बारातधनपुरी। कोयलांचल क्षेत्र सहित धनपुरी नगर में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। तड़के सुबह साढ़े चार बजे से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। शिवालयों में 'ओम नमः शिवाय' के मंत्रोच्चार और घंटियों की गूंज से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।नगर के श्री राधे कृष्ण मंदिर, ज्वालामुखी मंदिर, खेर माता मंदिर, शंकर मंदिर विलियस नंबर 1, चीप हाउस शंकर मंदिर एवं नगरपालिका के सामने स्थित शंकर मंदिर सहित विभिन्न शिवालयों में भक्तों ने विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। दूध, दही, बेलपत्र, सफेद पुष्प, गेहूं की बाली और नई बौर अर्पित कर श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-

समृद्धि की कामना की। कई घरों में शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा कर विशेष पूजा-अर्चना भी की गई।भव्य बारात में थिरके श्रद्धालुसंग्राम सिंह दफाई स्थित शंकर मंदिर से भगवान भोलेनाथ की भव्य बारात निकाली गई। बैंड-बाजे और डीजे की धुन पर सैकड़ों श्रद्धालु झूमते-नाचते नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए आजाद चौक पहुंचे। पूरा मार्ग 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंज उठा। महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक बारात में आनंद कचेर, बृजेश कचेर की भागिता निभाई। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा बारात का स्वागत किया गया।भंडारे और प्रसाद वितरणजुलूस के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर प्रसाद वितरण किया गया। कई मंदिरों में कथा, भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन हुआ। पहाड़ी पर स्थित शिव मंदिरों में भी भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र पर भगवान का नाम लिखकर अर्पित किया और दिनभर रुद्राभिषेक व विशेष पूजन चलता रहा।श्रद्धा का संगम बना नगरमहाशिवरात्रि के अवसर पर धनपुरी का वातावरण पूर्णतः शिवमय हो गया। मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। प्रशासन की ओर से भी व्यवस्था दुरुस्त रखी गई, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।आस्था, उत्साह और उल्लास के इस पावन संगम ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि कोयलांचल की धरती पर धर्म और परंपरा की जड़ें कितनी गहरी हैं।

गिद्धों के संरक्षण की जंग, बांधवगढ़ में कमांडो ट्रेनिंग

अब मोबाइल ऐप से होगी आसमानी, सफाई कर्मियों की सटीक घेराबंदी

उमरिया।

प्रकृति के सबसे बड़े सफाई कर्मचारी यानी गिद्धों के अस्तित्व पर मंडराते खतरों को भांपते हुए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अब एक्शन मोड में है। शुक्रवार को ताला स्थित ईको सेंटर में आयोजित एक हाई-प्रोफाइल कार्यशाला में वन विभाग के आला अफसरों ने दो-टूक कह दिया, अब कागजी दावों से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक डेटा से गिद्धों का संरक्षण होगा। प्रदेशव्यापी शीतकालीन गिद्ध गणना 2025-26 को लेकर आयोजित इस कार्यशाला में अधिकारियों की कड़ाई और मास्टर ट्रेनर्स के तेवरों ने साफ कर दिया कि इस बार गणना में रत्ती भर की भी चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शहडोल वृत्त के दिग्गजों का जमावड़ा

कार्यशाला केवल औपचारिकता नहीं बल्कि एक रणनीतिक बैठक की तरह रही। इसमें शहडोल वृत्त के तहत आने वाले उत्तर शहडोल, दक्षिण शहडोल, उमरिया, अनूपपुर और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के तमाम उपवन मंडल अधिकारी और परिक्षेत्र अधिकारियों ने शिरकत की। अधिकारियों की भारी मौजूदगी ने यह संदेश दे दिया है कि गिद्धों की संख्या को लेकर विभाग इस बार कोई ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

पारिस्थितिकी के पहरेदारों को पहचानों

वल्चर कमेटी के सदस्य और मास्टर ट्रेनर दिलशेर खान ने अपनी प्रस्तुति में गिद्धों की घटती संख्या पर चिंता जताते हुए सीधा प्रहार किया। उन्होंने दो-टूक कहा कि अगर गिद्ध नहीं बचे, तो पर्यावरण का संतुलन ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगा। उन्होंने स्थानीय और प्रवासी गिद्धों की पहचान के ऐसे गुरुमंत्र दिए जिससे मैदानी अमला अब प्रजातियों की पहचान में गच्चा नहीं खा पाएगा।

'एपीकलेक्ट-5' से थमेगी फर्जी रिपोर्टिंग

अक्सर फील्ड से आने वाले संदिग्ध डेटा पर लगाम लगाने के लिए इस बार 'एपीकलेक्ट-5डेटा' मोबाइल एप्लीकेशन का सहारा लिया गया है। मोहन नागवानी ने अधिकारियों को इस ऐप के संचालन की ऐसी घुट्टी पिलाई कि अब लोकेशन मार्किंग से लेकर डेटा अपलोडिंग तक सब कुछ एक क्लिक पर होगा। ट्रेनिंग का सख्त लहजा यह बताने के लिए काफी था कि अब डेटा में हेरफेर की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी।

मैदान पर उतरें, लापरवाही न बरतें

कार्यशाला को संबोधित करते हुए क्षेत्र संचालक ने स्पष्ट किया कि गिद्धों की संख्या में आई गिरावट अलार्म बेल है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा, हमें केवल आंकड़े नहीं चाहिए, हमें जमीनी हकीकत चाहिए। उन्होंने उप संचालक को निर्देश दिए कि मैदानी अमले को इतनी मुस्तैदी से तैयार करें कि गणना के दौरान प्रजाति पहचान में एक भी त्रुटि न हो।

20 फरवरी से शुरू होगा महा-अभियान

पनपथा उपवन मंडल अधिकारी के आभार प्रदर्शन के साथ ही इस युद्ध स्तर की तैयारी का समापन हुआ। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में 20 से 22 फरवरी तक मोबाइल ऐप के जरिए गिद्धों की यह डिजिटल सर्जिकल स्ट्राइक (गणना) शुरू होगी। अब देखना यह है कि बांधवगढ़ और शहडोल वृत्त का यह प्रशिक्षित अमला आसमान के इन राजाओं को सहेजने में कितना सफल होता है।

महाशिवरात्रि पर धूमधाम से निकली भोलेनाथ की बारात

देवी-देवता, बानर-भालू, भूत-पिशाच बने बाराती

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर में महाशिवरात्रि पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही नगर के शिवालयों में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर के ठाकुर बाबा धाम गौरी शंकर मंदिर शिव मंदिर शिव सागर धाम धर्मशाला मंदिर पंचायती मंदिर विकास नगर बनिया टोला शिशु भारती स्कूल के पास नवनिर्मित शंकर मंदिर लहसुई कैंप में स्थित शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ बाबा भोलेनाथ की पूजन अर्चन करते नजर आए। शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को अभिषेक करते हुए बेलपत्र धतूर सहित फल फूल अर्पित किए। सुबह से ही मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के जयकारों की गंज लगती रही। नगर के ठाकुर बाबा धाम सहित जगह-जगह शिव भक्तों के द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया था जिसका प्रसाद लेने के लिए लोगों की लंबी लाइन लगी रही। नगर के विद्युत मंडल कार्यालय स्थित गौरी शंकर मंदिर से शाम को शिव बारात बाजे गाजे के साथ निकाली गई जो नगर की विभिन्न गलियों से होते हुए मंदिर परिसर पहुंचकर समापन किया गया। शिवजी आज दूल्हा बने हैं। देवी पार्वती से विवाह की तैयारी है। गले में नागराज, हाथ में त्रिशूल, माथे पर चांद,शरीर पर भस्म... अद्भुत छटा बिखेर रहा है भोलेनाथ

का श्रृंगार हनुमानजी, देवी-देवता, बानर-भालू, भूत-पिशाच सब बाराती बनकर नाचते-गाते साथ चल पड़े हैं। पूरा माहौल शिव-पार्वती की भक्ति में लीन है। बच्चे-बजुर्ग, महिलाएं और पुरुष, हर कोई उत्साह से लबरेज है। यह दृश्य है नगर के गौरी शंकर मंदिर परिसर से निकली शिव बारात का महाशिवरात्रि पर मंदिर से भगवान भोलेनाथ की बारात निकाली गई। जिसमें भूत पिसाच बानर बाराती बनकर शामिल रहे। आकर्षक झांकी बनाई गई थी। दूसरी ओर, महिलाएं देवी पार्वती को सजा रही हैं। गाजे-बाजे और नाच-गान के साथ बारात आसपास के इलाकों से होती हुए फिर से मंदिर में पहुंचती है। वहां उसका जोरदार स्वागत-सत्कार होता है। रात में शुभ बेला में पारंपरिक गीतों के बीच भोलेनाथ और पार्वती का विवाह संपन्न कराया जाता है।

महाशिवरात्रि पर नगर के मंदिरों में शिवभक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। सुबह से ही पूजा-अर्चना शुरू हो गई। भक्तों ने फूल-बेलपत्र आदि से पूजा-अर्चना कर मनोवांछित फल की कामना की। भगवान शिव जी का दूध, दही, घी, शक्कर और गंगा जल आदि से रुद्राभिषेक किया गया और फिर चंदन, कुमकुम, भष्म, भांग और फूल आदि से उनका अलौकिक श्रृंगार किया गया। नगर के गौरीशंकर मंदिर समिति के द्वारा बस स्टैंड में महाशिवरात्रि के अवसर पर बाहर से आए कलाकारों के द्वारा जमकर भोलेनाथ के जयकारे लगाए। महाशिवरात्रि पर्व पर नगर में जगह-जगह शिवालयों में मानस पाठ का आयोजन किया गया था। नगर के विद्युत मंडल कार्यालय स्थित गौरीशंकर मंदिर में महाशिवरात्रि पर मानस पाठ का आयोजन शुरू किया गया जो निरंतर 24 घंटे चलने के बाद सोमवार को समापन के पश्चात भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गौरी शंकर मंदिर से निकली शिवजी की बारात का स्वागत नगर में जगह-जगह किया गया लोगों ने पुष्प वर्षा की। तांडव नृत्य का आयोजन बाहर से आए कलाकारों के द्वारा नगर के मुख्य चौराहों पर किया गया।

सट्टा माफिया के सिंडिकेट पर पुलिस का प्रहार

दो गिरफ्तार, मोबाइल और रजिस्टर खोलेंगे काली कमाई के राज

शहडोल।

जिले में सट्टे के अवैध कारोबार की जड़ें खोदने के लिए पुलिस ने अब सर्जिकल स्ट्राइक शुरू कर दी है। सोहागपुर पुलिस ने मुखबिर के सटीक इनपुट पर गढ़ी क्षेत्र में घेराबंदी कर सट्टा खिलाने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस की इस दबिश ने न केवल सट्टेबाजों को सलाखों के पीछे पहुंचाया, बल्कि उनके नेटवर्क के तार कोतवाली तक जुड़ा होना भी उजागर कर दिया है।

गढ़ी में चल रही थी ओपन बुकिंग

14 फरवरी की शाम सोहागपुर पुलिस को सूचना मिली कि राजेश सोनी उर्फ पप्पू अपने घर के बाहर सरेआम हार-जीत की बाजी लगवा रहा है। थाना प्रभारी अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में टीम ने जब रेड डाली, तो मौके पर हडक्रंप मच गया। पुलिस ने राजेश सोनी को सट्टा पर्ची लिखते हुए रंगे हाथ धर दबोचा। आरोपी के पास से 17,810 रुपये नकद, सट्टा पर्चियां, कैलकुलेटर और सैमसंग का वह मोबाइल जब्त किया गया है जिससे सट्टे का पूरा हिसाब-किताब कंट्रोल हो रहा था।

पूछताछ में फूटा साझेदारी का भांडा

पकड़े गए आरोपी राजेश ने पुलिसिया पूछताछ में उगल दिया कि वह अकेला नहीं है, बल्कि इस खेल का मास्टरमाइंड विनीत द्विवेदी उर्फ लालन है। राजेश मोबाइल के जरिए सट्टे के अंकों का टोटल विनीत को भेजता था और रोजाना का हिसाब तय होता था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विनीत द्विवेदी को भी दस्तयाब कर लिया। विनीत के पास से सट्टे के अंकों से भरा सिंघई रजिस्टर और मोबाइल बरामद हुआ है।

कोतवाली के सफेदपोश मददगारों तक पहुंची जांच

इस कार्रवाई ने सट्टा जगत में तब खलबली मचा दी जब आरोपी विनीत ने खुलासा किया कि उसके तार कोतवाली थाना क्षेत्र के इतवारी मोहल्ला निवासी एक अन्य व्यक्ति से जुड़े हैं। पुलिस अब इस सिंडिकेट के बड़े रसूखदारों की तलाश में जुट गई है। आरोपियों के विरुद्ध पब्लिक गेंम्बलिंग एक्ट और बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

शहडोल जिला अस्पताल के डॉक्टर की पर्ची वायरल, नियम-कानून ताक पर

सरकारी तनख्वाह और निजी अस्पताल में दुकानदारी

निजी अस्पताल में साहब लिख रहे दवाइयां और जांच

शहडोल।

सरकारी सेवा की कसमें खाकर मोटी तनख्वाह लेने वाले डॉक्टरों के लिए सेवा अब सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई है। जिला चिकित्सालय शहडोल में पदस्थ डॉक्टर अजीत सिंह का एक निजी अस्पताल की पर्ची पर नाम वायरल होने के बाद स्वास्थ्य महकमे में हडक्रंप मच गया है। आरोप है कि ग्राम छतवई स्थित अमृता अस्पताल में डॉक्टर साहब सरेआम प्राइवेट प्रेक्टिस कर रहे हैं और मरीजों की जेब पर डाका डाल रहे हैं।

वायरल पर्चे ने खोली पोल

सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहे एक पर्चे ने डॉक्टर अजीत सिंह की कार्यप्रणाली को बेनकाब कर दिया है। जानकारी

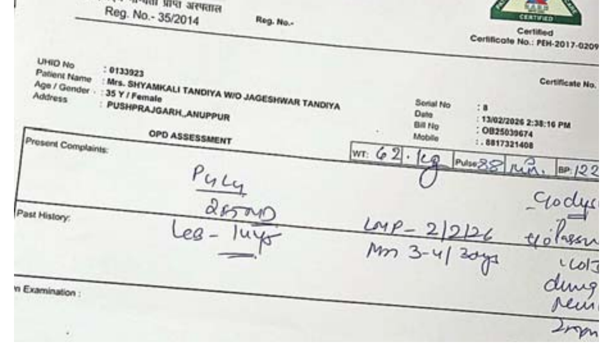

के अनुसार, स्त्री रोग विभाग में पदस्थ इस डॉक्टर ने 2 फरवरी को एक निजी अस्पताल के लेटरहेड पर मरीज के लिए महंगी दवाइयां और जांचें लिखी थीं। यह कृत्य न केवल शासकीय सेवा अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि उन गरीब मरीजों के साथ भद्दा मजाक है जो जिला अस्पताल में सही इलाज की उम्मीद लेकर आते हैं?

पहले भी लग चुके हैं वसूली के आरोप

यह पहली बार नहीं है जब डॉक्टर अजीत सिंह विवादों के घेरे में हैं। इससे पहले भी उन पर आरोप लग चुके हैं कि वे सरकारी अस्पताल में आने वाले असहाय मरीजों से इलाज के बदले रुपयों की मांग करते हैं। सूत्रों का कहना है कि जिला अस्पताल को कुछ डॉक्टरों ने निजी क्लीनिकों के लिए कमीशन का अड्डा बना दिया है, जहां से मरीजों को बहला-फुसलाकर प्राइवेट अस्पतालों में शिफ्ट कर मोटी रकम वसूली जाती है।

रसूख के आगे बौना साबित हो रहा तंत्र

जिले में यह खेल वर्षों से चल रहा है। कई बार शिकायतें हुईं, लेकिन ठोस कार्रवाई के अभाव में इन डॉक्टरों के हौसले बुलंद हैं। अब तो आलम यह है कि इन्हें नियम-कानून का डर तक नहीं रहा और ये खुलेआम निजी अस्पतालों के पर्चों पर अपनी मुहर लगा रहे हैं। मामले की गंभीरता पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राजेश मिश्रा ने माना कि सरकारी डॉक्टर का निजी पर्चे पर नाम होना पूर्णतः नियम विरुद्ध है। उन्होंने हमेशा की तरह जांच और नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब देखना यह है कि क्या यह जांच केवल फाइलों में दबकर रह जाएगी या फिर इस सफेदपोश मनमानी पर कोई लगाम लगेगी।

लेजर लैंड लेवलर सहित उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

कृषक कल्याण वर्ष 2026 – समृद्ध किसान, समृद्ध मध्यप्रदेश अभियान के अंतर्गत कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर कृषि रथ विकासखंड बहोरीबंद के ग्राम सिंदुरसी,कूड़न और बहोरीबंद के गांवों में भ्रमण कर किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी दे रहा है।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग के उपयंत्री संदीप पीपड़ा द्वारा किसानों को उन्नत कृषि यंत्र लेजर लैंड लेवलर की कार्यप्रणाली विस्तार से समझाई गई। उन्होंने बताया कि यह यंत्र लेजर तकनीक के माध्यम से खेत की सतह को अत्यंत सटीकता से समतल करता है। उपयंत्री पीपड़ा ने बताया कि लेजर लैंड लेवलर के प्रमुख घटकों में लेजर ट्रांसमीटर, लेजर रिसीवर, कंट्रोल बॉक्स एवं हाइड्रोलिक बकेट ब्लेड शामिल हैं। लेजर ट्रांसमीटर को खेत में एक निश्चित लेवल पर सेट कर स्टैंड पर लगाया जाता है, जो लगातार 360 डिग्री में लेजर किरण छोड़ता है। यह किरण हाइड्रोलिक ब्लेड पर लगे लेजर रिसीवर द्वारा ग्रहण की जाती है। रिसीवर से मिले सिग्नल के आधार पर ट्रैक्टर में लगा कंट्रोल बॉक्स हाइड्रोलिक सिस्टम के जरिए बकेट ब्लेड को ऊपर-नीचे संचालित करता है। उन्होंने बताया कि रिसीवर में ग्रीन लाइट जलने पर खेत समतल होता है, येलो लाइट होने पर जमीन ऊंची होने से ब्लेड मिट्टी काटता है और रेड लाइट होने पर जमीन नीची होने पर वहां मिट्टी डालकर लेवल किया जाता है। इस प्रक्रिया से पूरा खेत समान रूप से समतल हो जाता है। उपयंत्री ने किसानों को बताया कि असमतल खेतों में ऊपरी हिस्से में पानी नहीं रुकता और निचले हिस्सों में जलभराव हो जाता है, जिससे फसल प्रभावित होती है। जबकि समतल खेतों में पानी समान रूप से फैलता है, जिससे सिंचाई की बचत होती है। साथ ही घुलनशील उर्वरक पूरे खेत में बराबर पहुंचते हैं, बीज की गहराई समान रहती है और अंकुरण एकसमान होता है।

सहायक मंडल अभियंता की सख्ती, अधिकारी और वकील जांच के घेरे में

रेलवे जमीन पर 7 मीटर अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

अनूपपुर रेलवे क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। अमरकंटक चौक स्थित रेल पथ कार्यालय के समीप रेलवे की भूमि पर लगभग 7 मीटर क्षेत्र में किए गए अवैध कब्जे की शिकायत पर रेलवे प्रशासन हरकत में आया है। 14 फरवरी को नव पदस्थ सहायक मंडल अभियंता, शहडोल ब्रजेशनाथ पांडेय ने स्वयं मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन किया और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए है।

पहले ही जारी हो चुका था नोटिस

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अवैध कब्जे की शिकायत सामने आने के बाद सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य), शहडोल द्वारा 19 जनवरी 2026 को पत्र क्रमांक इजी/कार्य/शहडोल/अवैध कब्जा/स.कु.श्री/2026/01 के माध्यम से चेतना नगर, अनूपपुर निवासी को नामजद नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में स्पष्ट रूप से 7 दिवस के भीतर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे।

समय सीमा बीतने के बाद भी नहीं हटा कब्जा

रेलवे द्वारा तय समय सीमा समाप्त होने के बावजूद अवैध कब्जा नहीं हटाया गया। इसके चलते रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज हो गई कि नोटिस जारी होने के बाद भी प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई है।

कई स्तरों पर जांच, भूमिका संदेह के घेरे में

सूत्रों के अनुसार, इस भूमि विवाद की जांच अब कई स्तरों पर की जा रही है। मामले में रेलवे के अतिक्रमण निगरानी से जुड़े कुछ अधिकारियों और संबंधित अधिवक्ता की भूमिका भी संदेह के घेरे में बताई जा रही है। प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि यदि समय रहते सख्ती दिखाई जाती, तो मामला इस हद तक नहीं पहुंचता।

प्रशासनिक जवाबदेही पर उठे सवाल

रेलवे भूमि पर अवैध कब्जे का यह मामला अब केवल अतिक्रमण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता का भी गंभीर प्रश्न बन गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि सरकारी जमीन पर कब्जे के मामलों में कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में ऐसे मामलों को और बढ़ावा मिलेगा।

अगली कार्रवाई पर टिकी नजर

अब निगाहें रेलवे प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं कि अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर कितनी शीघ्र और सख्त कार्रवाई की जाती है। सहायक मंडल अभियंता के स्थल निरीक्षण के बाद इस मामले में तेज कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

महाशिवरात्रि पर मातृशक्ति का महाप्रयाण, नगर में शोक की लहर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के प्रतिष्ठित नागरिक दीपक अग्रवाल (महावीर प्रेस) की पूज्य माता/बुआ श्रीमती गीता बाई (82 वर्ष) को अपने श्रीचरणों में स्थान दे दिया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन से नगर में शोक की लहर व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीमती गीता बाई का निधन महाशिवरात्रि के शुभ दिन हुआ, जिसे परिजन ईश्वरीय इच्छा मानते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। अंतिम यात्रा आज दोपहर 2 बजे अमरकंटक रोड, अनूपपुर स्थित निज निवास से प्रारंभ होकर सोन नदी स्थित मुक्तिधाम पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में परिजन, शुभचिंतक, मित्रगण एवं सामाजिकजन उपस्थित रहे। सभी ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। नगर के सामाजिक, व्यावसायिक एवं मीडिया जगत से जुड़े लोगों ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है। शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट करते हुए सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कबीर अलंकरण सम्मान से नवाजे गये डॉ. नीरज श्रीवास्तव

श्रीमती अमिधा शर्मा एवं श्रीमती संगीता शुक्ला को प्राप्त हुआ हिन्दी साहित्य रत्न सम्मान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संस्कृति व साहित्य शोध समिति मध्यप्रदेश के चतुर्थ साहित्य अधिवेशन का भव्य समारोह 'सृजन महोत्सव 2026' का आयोजन विगत दिनों बालाघाट में 8 फरवरी को सम्पन्न हुआ।

वरिष्ठ साहित्यकार, सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं शताधिक कृतियों के सर्जक डॉ. शरद मिश्र को उनके साहित्यिक योगदान के लिये 'काव्य महारथी सम्मान 2026' प्रदान किया गया। डॉ. नीरज श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष हिन्दी, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर की प्रबंधात्मक कृति 'नर्मदा के मेघ' महाकाव्य को 'कबीर अलंकरण 2026' से सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी द्वारा चयनित, नौ सर्गो में निबद्ध महाकाव्य में माँ नर्मदा के पौराणिक एवं धार्मिक आख्यान, उनका प्राकट्य, अमरकंटक का प्राकृतिक सौन्दर्य, हरे-भरे तटों, अमूल्य वनौषधियाँ, एवं नैसर्गिक मेघमय सुषमा के अप्रतिम सौन्दर्य का कवि ने अत्यंत मनोहारी चित्रण किया है। श्रीमती अमिधा शर्मा, भिलाई को उनके उपन्यास लेखन के लिये और कवियित्री श्रीमती संगीता शुक्ला, शहडोल को 'हिन्दी साहित्य रत्न सम्मान' प्रदान किया गया है। 'सृजन महोत्सव 2026' छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित साहित्यकार गोविन्दपाल, प्रयागराज से आदित्य अभिनव श्रीवास्तव, बालाघाट के डॉ. एल. सी. जैन, अशोक कुमार सिहांसने, प्रेम प्रकाश त्रिपाठी, अजय कुमार जैन, श्रीमती प्रमिला बिजेवार, सुरेश भाई टांक, लक्ष्मी जैन, शलुगांधी सहित देश के विभिन्न अंचलों से आये साहित्यकारों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

22 किमी का सफर तय कर जंगल पहुंचा अकेला हाथी, दो घरों की दीवार तोड़ी, फसलों को रौंदा

अनूपपुर जिले में हाथियों की गतिविधियां एक बार फिर ग्रामीणों के लिए दहशत का कारण बन गई हैं। शनिवार/रविवार की दरम्यानी रात एक अकेले नर हाथी ने करीब 22 किलोमीटर का लंबा सफर तय किया है। इस दौरान उसने कई गांवों में खेतों की फसलें नष्ट कीं और दो घरों में तोड़फोड़ की, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

जिले में बीते पंद्रह दिनों से अनूपपुर वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहा एक दांत वाला नर हाथी अपने दो अन्य साथियों से बिछड़ गया था। दिन के समय यह हाथी जंगल में विश्राम करता और रात होते ही आहार की तलाश में गांवों की ओर निकल पड़ता था। शनिवार को भगतबांध और सोनमौहरी क्षेत्र में दिनभर ठहरने के बाद हाथी ने रात में लगभग 22 किलोमीटर का रास्ता तय किया। इस दौरान उसने कई गांवों के खेतों में घुसकर गेहूं, मटर सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचाया है। हाथी ने अमगवां और आसपास के इलाकों में दो पक्के घरों की दीवारें और दरवाजे तोड़ दिए, जिससे घर के भीतर रखा सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया है। कुछ स्थानों पर महिलाएं और बच्चे घर के अंदर फंस गए, जिन्हें ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। पूरी रात ग्रामीण हाथी को अपने-अपने गांव से दूर खदेड़ते रहे। अंततः रविवार सुबह हाथी धनगवां बीट के जंगल में पहुंचा, जहां वह अपने दो साथियों से जा मिला है। घटना ने वन विभाग और प्रशासन की चुनौती बढ़ा दी है।

22 किलोमीटर का रातभर का विचरण

शनिवार शाम जंगल से निकला अकेला हाथी रातभर लगातार चलता रहा। उसने भगतबांध, सोनमौहरी, छुलहा, अमगवां, गुवारी, चांदपुर, टकहुली, कुसुमहाई, पटोरा और पालाडोल जैसे कई गांवों से होकर रास्ता तय किया। इस लंबे सफर में हाथी ने रेलवे लाइन और नालों को भी पार किया। ग्रामीणों के अनुसार, हाथी की गति तेज थी और वह बिना रुके आहार की तलाश में आगे बढ़ता रहा। इस दौरान हाथी का उद्देश्य केवल भोजन था, लेकिन उसके इस विचरण से कई गांवों में दहशत फैल गई है।

खेतों में तबाही, किसानों की बढ़ी चिंता

हाथी ने कई गांवों में किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। गेहूं, मटर और अन्य मौसमी फसलें हाथी का शिकार बनीं। खेतों में घुसकर उसने फसलों को रौंद डाला और कई स्थानों पर पूरी की पूरी मेड़ें तोड़ दीं। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि फसल कटाई के समय इस तरह की घटना से उनकी सालभर की कमाई प्रभावित हो जाती है। लगातार हो रहे नुकसान से किसान मानसिक रूप से भी परेशान हैं।

दो घरों में तोड़फोड़, परिवार दहशत में

रात के अंधेरे में हाथी ने अमगवां क्षेत्र में दो पक्के घरों को निशाना बनाया। एक घर का दरवाजा और ईंट की दीवार तोड़ दी गई, जिससे अंदर खड़ी मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। दूसरे घर में दीवार टूटने से महिलाएं और बच्चे कुछ समय के लिए अंदर फंस गए। अचानक हुई इस घटना से परिवार के लोग बुरी तरह डर गए। ग्रामीणों ने शोर मचाकर और सामूहिक प्रयास से हाथी को वहां से खदेड़ा, तब जाकर स्थिति सामान्य हो सकी है।

साथियों से मिला हाथी, जंगल में लौटा

लगातार रातभर के विचरण के बाद रविवार सुबह अकेला हाथी धनगवां बीट के जंगल में पहुंचा। यहां उसके दो अन्य हाथी साथी पहले से मौजूद थे, जो करीब 13 दिनों से जंगल के भीतर डरे-सहमे विचरण कर रहे थे। तीनों हाथियों के मिलने से वन विभाग को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन आशंका बनी हुई है कि ये हाथी दोबारा रात में जंगल से बाहर निकल सकते हैं। वन अमले ने हाथियों की गतिविधियों पर नजर बढ़ा दी है।

सर्वे में अड़चन, प्रशासन सतर्क

हाथी द्वारा किए गए नुकसान के सर्वे और मुआवजे की प्रक्रिया में पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल बाधा बन रही है। इससे प्रभावित ग्रामीणों में नाराजगी है। स्थिति को देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदारों ने राजस्व निरीक्षकों को शीघ्र सर्वेक्षण के आदेश दिए हैं। वहीं वन विभाग ने गश्ती दल की अलग-अलग टीमें बनाकर हाथियों की निगरानी शुरू कर दी है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे हाथियों से दूरी बनाए रखें और उन्हें उकसाने का प्रयास न करें।

परिवार एजुकेशन सोसाइटी के प्रयास से 71 दिव्यांगों को मिला नया जीवन

तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर सफल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। परिवार एजुकेशन सोसाइटी (परिवार संस्था) द्वारा महावीर सेवा सदन कोलकाता के सहयोग से अनूपपुर के पुष्पराजगढ़ तहसील में 10, 11 एवं 12 फरवरी को आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग माप एवं वितरण शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह शिविर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेनीबारी में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अनूपपुर, मंडला, डिंडोरी, शहडोल, सीधी और उमरिया जिले के दिव्यांगजनों ने लाभ प्राप्त किया। तीन दिवसीय इस शिविर में कुल 71 दिव्यांग लाभार्थियों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। शिविर के दौरान 30 दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैर, 37 लाभार्थियों को पोलियो कैलिपर तथा 4 दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ लगाए गए। कृत्रिम अंग लगने के बाद दिव्यांगजनों के चेहरे पर नई उम्मीद और आत्मविश्वास साफ नजर आया। शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना एवं उनके दैनिक जीवन को सरल बनाना रहा। परिवार संस्था द्वारा शिविर के दौरान सभी लाभार्थियों एवं उनके साथी के लिए तीन दिन का निःशुल्क भोजन, पानी, ठहरने की व्यवस्था के साथ-साथ घर से शिविर स्थल तक लाने एवं वापस छोड़ने की पूरी व्यवस्था भी निःशुल्क की गई। परिवार एजुकेशन सोसाइटी एक मानवतावादी एवं गैर-लाभकारी संस्था है, जो श्रीरामकृष्ण एवं स्वामी विवेकानंद के आध्यात्मिक एवं मानवीय आदर्शों से प्रेरित होकर वर्ष 2003 से सेवा कार्यों में संलग्न है। संस्था के संस्थापक विनायक लोहानी को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2011 में राष्ट्रीय बाल कल्याण पुरस्कार, वर्ष 2025 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया, एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2022 में मध्यप्रदेश गौरव सम्मान प्रदान किया गया। परिवार संस्था द्वारा अनूपपुर जिले में 2021 से शिक्षा में एक और स्वास्थ्य में 3 प्रोजेक्ट में कार्य कर रही है, जिसमें जिले में निःशुल्क नेत्र शिवर, पुष्पराजगढ़ तहसील में 76 गांव में लगभग 4 हजार बच्चों को निःशुल्क पूरक शिक्षा, 7'24 निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा, 101 गांव में निःशुल्क मोबाईल मेडिकल क्लिनिक इनके माध्यम में लोगो की सेवा कर रही है।

पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने जिले में कबड्डी खेल का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारत शासन की राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के नवाचार के तहत पारंपरिक खेलों के प्रोत्साहन हेतु जिले में पारंपरिक खेलों के प्रोत्साहन हेतु कबड्डी खेल को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने बताया है कि स्थानीय पारंपरिक खेल के अंतर्गत कबड्डी को प्रोत्साहित करने 18 फरवरी को जनपद स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जनपद स्तर पर श्रेष्ठ प्रतिभागियों के चयन/चिन्हांकन के पश्चात जिला स्तर पर 20 फरवरी को प्रातः 11:00 से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल प्रांगण में कबड्डी खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी ने बताया है कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता को प्रथम पुरस्कार के रूप में 21 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 11 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 51 सौ रूपये की राशि तथा सांत्वना पुरस्कार के रूप में 11 सौ रुपए की राशि प्रदान की जाएगी।

महाशिवरात्रि पर अमरकंटक में उमड़ा आस्था का सैलाब

हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में लगाई पवित्र डुबकी

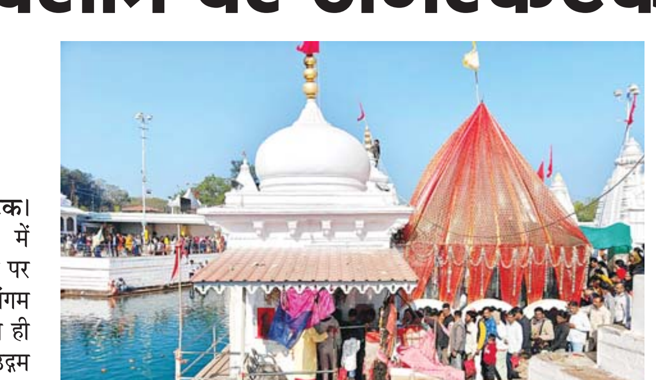

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। अलसुबह से ही हजारों श्रद्धालु मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर पहुंचने लगे और पावन स्नान कर भगवान शिव की आराधना में लीन हो गए। पूरे क्षेत्र में "हर-हर महादेव" और "नर्मदे हर" के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं ने सर्वप्रथम नर्मदा मंदिर अमरकंटक में दर्शन-पूजन किया। इसके पश्चात शिवालयों में जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं रुद्राभिषेक का क्रम देर रात तक चलता रहा। विशेष रूप से अमरकंटेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा और पुष्पों से सजाया गया था, जिससे वातावरण और भी दिव्य प्रतीत हो रहा था। मंदिरों में चारों पहर की पूजा विधि विधिविधान से संपन्न कराई गई। पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक एवं विशेष आरती का आयोजन हुआ। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। महाशिवरात्रि को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस बल, होमगार्ड एवं स्वयंसेवकों की तैनाती की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। इस अवसर पर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। पूर्व जिला अध्यक्ष राहुल कुमार पांडेय ने कहा कि अमरकंटक की महाशिवरात्रि पूरे प्रदेश में अपनी विशेष पहचान रखती है। यहां मां नर्मदा और भगवान शिव की संयुक्त आराधना का विशेष महत्व है, जो श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बनता है। महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर अमरकंटक में उमड़ा जनसैलाब आस्था और श्रद्धा की अनुपम मिसाल बन गया। देर रात तक मंदिरों में पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन का क्रम जारी रहा, जिससे संपूर्ण क्षेत्र शिवमय बना रहा।

महाशिवरात्रि मेला आयोजित, पूर्व जनपद अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने किया शुभारंभ

जिले के धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में 14 से 18 फरवरी तक आयोजित महाशिवरात्रि मेले का शुभारंभ पूर्व जनपद अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा एवं उत्साह का विशेष वातावरण देखने को मिला। शुभारंभ अवसर पर अतिथियों ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। मेले में उद्यानिकी, कृषि, स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा आदिम जाति विभाग सहित अन्य शासकीय विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन को शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने नागरिकों को योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा शैला करमा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिससे अतिथियों का पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। प्रशासन द्वारा मेले के सफल संचालन हेतु सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और मेला शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, नगर परिषद अमरकंटक अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह, उपाध्यक्ष रज्जू नेताम, पार्षद रोशन पनाडिया, सांसद प्रतिनिधि विक्की द्विवेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकारगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

दुकानदार ने दो महिलाओं को लाठी से बुरी तरह पीटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

बड़वारा थाना क्षेत्र ग्राम रोहिनया में एक दुकानदार ने दो महिलाओं को लाठी से पीट दिया। मारपीट में घायल महिलाओं को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर लिया है। घटना 12 फरवरी की है। पुलिस के अनुसार एक बालिका दीपांशु गुप्ता की किराना दुकान पर 5 का सिक्का लेकर बिस्कुट लेने गई थी दिवांशु गुप्ता ने लड़की को बिस्किट नहीं दिया वह रोते हुए घर वापस आ गई। बिठोलिया बाई ने दुकान पर जाकर पूछा कि लड़की को बिस्किट क्यों नहीं दिया तो उसने कहा सिक्का खराब है दूसरा लाओ। पीड़िता ने बोला की लड़की रो रही है आप बिस्कुट दे दो तो दीपांशु गुप्ता गाली गलौज करने लगा। महिला ने गाली देने का विरोध करने पर उसने डंडा निकालकर विमला बाई और बिठौलिया बाई पर हमला कर दिया जिससे वह दोनों लहुलुहान होकर गिर पड़ी। आरोपित दीपांशु गुप्ता जल्दी से दुकान बंद कर कर भाग गया। घायलों को बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। चोट अधिक होने के चलते दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। शिकायत पर बड़वारा पुलिस ने बीएनएस की धारा 296 (b) BNS 2023 की धारा 115(2) BNS 2023 धारा 351 (2) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम 1989 3(1) द , 3(1) ध, 3(2) va के तहत मामला दर्ज किया है।

!! राधे-राधे !! !! श्री गणेशाय नमः !! !! राधे-राधे !!
श्री गुजरात ग्रेनाईट एंड टाइल्स
ग्रेनाईट एवं टाईल्स के थोक एवं फुटकर विक्रेता
हमारे यहां सभी प्रकार के टाईल्स, ग्रेनाईट- सांड्य Z ब्लैक, सुपर ब्लैक, आर ब्लैक इत्यादि एवं सेनेट्री, कड़प्पा उचित दामों पर उपलब्ध है।
कोटा स्टोन कम दामों में उपलब्ध है
प्रो. देवेन्द्र सिंह जी 7742294629, 7440984719, 7737330239